

M.A. - I (Hindi) (NEP Pattern) Semester-I
**NEP-164 / SIMAHIN 102 - Major DSE - Kavyashastra Evam Sahitya Lochan Ke
Siddhant (Bhartiya Kavyashastra)-I**

P. Pages : 3

Time : Three Hours



GUG/W/23/15011

Max. Marks : 80

सुचना :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। 10

ईकाई - 1

अ) काव्य के लक्षण लिखकर काव्य के प्रकार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आ) रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भरतमुनि के रस सूत्र पर प्रकाश डालिए।

ईकाई - 2

10

इ) अलंकार की परिभाषा लिखकर अलंकार सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ई) रीति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए रीति के भेद लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

ईकाई - 3

10

उ) ध्वनि सिद्धान्त की व्युत्पत्ति का आशय स्पष्ट करते हुए ध्वनि के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

ऊ) ध्वनि की परिभाषा लिखकर ध्वनि एवं शब्द शक्ति पर प्रकाश डालिए।

ईकाई - 4

10

ए) वक्रोक्ति की परिभाषा लिखकर वक्रोक्ति सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ऐ) औचित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए औचित्य की प्रमुख स्थापनाओं पर प्रकाश डालिए।

- 4) कौन अलंकारवादी कवि नहीं है?
 अ) रुद्रट
 ब) दण्डी
 स) भामह
 द) विश्वनाथ
 - 5) रीति सम्प्रदाय के जन्मदाता माने जाते हैं।
 अ) वामन
 ब) भरतमुनि
 स) रुद्रट
 द) मम्मट
 - 6) औचित्य सम्प्रदाय का संस्थापक कौन है?
 अ) क्षेमेन्द्र
 ब) रुद्रट
 स) पं. जगन्नाथ
 द) जयदेव
 - 7) काव्यशास्त्र में आत्मा शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?
 अ) दण्डी
 ब) रुद्रट
 स) कुन्तक
 द) वामन
 - 8) सहृदय की चेतना का साधरणीकरण मानने वाले व्याख्याकार हैं-
 अ) राहूल सांकृत्यायन
 ब) रामचन्द्र शुक्ल
 स) केशव प्रसाद मिश्र
 द) डॉ. नगेन्द्र
 - 9) आलम्बन एवं उद्दीपन रस के किस अंग के भेद है?
 अ) स्थायी भाव
 ब) संचारी भाव
 स) विभाव
 द) व्यभिचारी भाव
 - 10) कितने प्रकार के काव्य हेतु माने गये हैं?
 अ) पाँच
 ब) तीन
 स) चार
 द) सात

